संचार मंत्रालय
MINISTRY OF
COMMUNICATIONS

सत्यमेव जयते

मंत्री जी का संदेश – डाक विभाग

जुलाई 2026 संस्करण

नमस्कार,

"भारत की आत्मा उसके गावों में बसती है, और इन गावों का सामर्थ्य उसके भविष्य को आकार देता है।" जुलाई माह, की सतत यात्रा में एक और महत्वपूर्ण अध्याय बनकर उभरा। इस माह हमने वित्तीय समावेशन को और अधिक सशक्त बनाने, डिजीटल कनेक्टिविटी को सुदृढ़ करने और नागरिक भागीदारी बढ़ाने जैसी पहलों के माध्यम से भारत के अंतिम मील डिलीवरी नेटवर्क, को और अधिक सुदृढ़ बनाया है। इन सभी प्रयासों में एकमात्र अविरत उद्देश्य, 1.64 लाख डाकघरों की बेजोड़ पहुंच की ताकत का हमारे ग्रामीण डाक सेवकों की कर्तव्यनिष्ठा के साथ संयोजन कर प्रत्येक नागरिक के लिए सुशासन, समान अवसर और विश्वासनीय सेवाओँ तक पहुंच को सुनिश्चित करना है।

सेवा के इस अटल सकंल्प को संस्थागत विकास से ही पूर्ण किया जा सकता है। मुझे यह बताते हुए अत्यंत प्रसन्नता हो रही है कि भारतीय डाक ने 22.2% की सराहनीय वर्ष दर वर्ष वृद्धि दर्ज करते हुए, वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही में 4000 करोड़ रु. का अब तक का सर्वाधिक राजस्व प्राप्त कर रिकॉर्ड बनाया है। यह पहली बार है कि भारतीय डाक ने किसी वित्त वर्ष की पहली तिमाही में ही 4,000 करोड़ रु. से अधिक का राजस्व अर्जित किया है। यह उपलब्धि, माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी की भविष्यो-मुखी और आत्मनिर्भर भारत की सकंल्पना के संरेखण में डाक इंफ्रास्ट्रक्चर के निरंतर आधुनिकीकरण, व्यवसायगत रुपांतरण, प्रौद्योगिकी समावेशन और उत्कृष्ट ग्राहक-केंद्रित सेवा डिलीवरी को प्रतिबिंबित करती है। मैं इस संकल्प को पूरा करने में योगदान देने वाले डाक परिवार के हर उस सदस्य को शुभकामनाएं देना चाहता हूं।

ग्रामीण क्षेत्रों में वित्तीय समावेशन का विस्तार करते हुए, इस माह विभाग ने देशभऱ के शाखा डाकघरों में 'आधार आधारित ई-केवाईसी' की शुरुआत भी की है। इस पहल के अंतर्गत, मौजूदा डाकघर बचत बैंक (पीओएसबी) खातों को ई-केवाईसी सक्षम खातों में रुपांतरित करने के लिए ड्रीम एप (मोबाइल के लिए डिजिटल ग्रामीण उद्यम एप्लीकेशन) के माध्यम से, बायोमैट्रिक प्रमाणीकरण की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। यह हमें किसी भी कागजी दस्तावेज का प्रयोग किए बिना, आधार-प्रमाणीकरण के जरिए 20,000 रु. तक के आहरण के साथ-साथ; बचत, आवर्ती जमा और सुकन्या समृद्धि खातों में 50,000 रु. तक जमा करने की सुविधा प्रदान करती है। यह पहल, दूरदराज के क्षेत्रों में रह रहे नागरिकों के लिए तीव्र, कागज रहित एवं सुगम्य बैंकिंग सेवाओं तक पहुंच सुनिश्चित करती है।

वित्तीय पहुंच के साथ-साथ बाजारों और अवसरों तक पहुंच भी सुनिश्चित की जानी चाहिए। डाक विभाग और फ्लिपकार्ट के मध्य साझेदारी के फलस्वरुप, नई लास्ट-माइल डिलीवरी व्यवस्था के तहत पहला पार्सल कुहा, गुजरात में डाकिया श्री मलिक मुंतजिर हुसैन ने डिलीवर किया। मैं, श्री मुंतजिर हुसैन जी को, इस ऐतिहासिक उपलब्धि के लिए बधाई देता हूं। यह दर्शाता है कि भारत का सर्वाधिक विश्वसनीय डाक नेटवर्क भारतीय डाक में नागरिकों के वर्षों पुराने विश्वास को बनाए रखने के साथ-साथ ग्रामीण और दूरदराज के घरों तक ई-कॉमर्स की सुविधा पहुंचाकर देश की बढ़ती डिजिटल अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण योगदान रहा है।

नागरिकों को जोड़ने और वाणिज्य को सुदृढ़ बनाने के अतिरिक्त हमारी देशव्यापी उपस्थिति, नीति-निर्माण में भी योगदान देती है। उल्लेखनीय है कि साक्ष्य आधारित सुशासन की ओर एक महत्वपूर्ण कदम के रूप में डाक विभाग और भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण (टीआरएआई) के मध्य एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए हैं। इसके तहत भारत के विशालतम ग्रामीण-स्तरीय दूरसंचार नेटवर्क के कार्यप्रदर्शन का सर्वेक्षण किया जाएगा। अपने नियमित डिलीवरी कार्यों के साथ-साथ, हमारे ग्रामीण डाक सेवक, ट्राई द्वारा विशेष रूप से विकसित किए गए एंड्रोइड-आधारित ऐप का प्रयोग कर प्रत्येक राज्य और संघ राज्य क्षेत्र के 5.68 लाख से भी अधिक गांवों में मोबाईल नेटवर्क की गुणवत्ता का मूल्यांकन भी करेंगे। तत्पश्चात् प्राप्त क्षेत्रीय स्तर डाटा 'कनेक्टिविटी गैप' की पहचान करने, टेलीकॉम इंफ्रास्ट्रक्चर को सुदृढ़ करने और तथ्य आधारित नीतिगत निर्णय लेने में सहायक होगा और भारत के डिजिटल रुपांतरण में एक विश्वसनीय साझेदार के रूप में विभाग की बढ़ती भूमिका को पुष्ट करेगा।

यहां यह उल्लेख करना भी समीचीन होगा कि विभाग ने जन सहभागिता आधारित शासन के अपने दृढ़ सकंल्प के अनुरूप, इनोवेट इंडिया MYGOV प्लैटफॉर्म पर शुभंकर डिजाइन प्रतियोगिता शुरू की है। यह सभी उम्र वर्ग के नागरिकों के लिए खुली होगी । यह प्रतियोगिता भारतीय डाक की विरासत तथा नवाचार, विश्वसनीयता तथा राष्ट्रव्यापी पहुंच के उसके मूलभूत सिद्धांतों पर आधारित होगी। यह प्रत्येक नागरिक के लिए एक सुअवसर है कि वह भारतीय डाक की उभरती पहचान का सह-रचनाकार बने। मुझे इस प्रतियोगिता के अंतर्गत नागरिकों द्वारा प्रस्तुत रचनात्मक कृतियों की प्रतीक्षा रहेगी।

कुलमिलाकर, जुलाई माह की उपलब्धियां भारतीय डाक की उस गौरवशाली विरासत और अटूट विश्वसनीयता का सशक्त प्रतिबिंब हैं, जिसे उसने पीढ़ी-दर-पीढ़ी अपने समर्पण, सेवा-भाव और जनविश्वास के बल पर अर्जित किया है। भारतीय डाक आज न केवल देश के सुदूर ग्रामीण अंचलों तक अपनी सेवाएं की पहुंचा रहा है, बल्कि नवाचार, प्रौद्योगिकी और जनसहभागिता के माध्यम से अपने भविष्य को और अधिक सशक्त एवं जनोन्मुखी स्वरूप प्रदान करने की दिशा में निरंतर अग्रसर है। मुझे विश्वास है कि हम 'डाक सेवा, जन सेवा' के अपने मूल मंत्र के विकसित भारत की निरंतर यात्रा में सशक्त, विश्वसनीय एवं प्रेरणादायी भागीदार बने रहेंगे।

धन्यवाद।

जय हिन्द!

ज्योतिरादित्य मा. सिंधिया

संचार मंत्री एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री, भारत सरकार